मां को खोने का दर्द आज भी ताजा : सनी

सनी लियोनी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि जब उनकी मां का निधन हुआ, तब वह काम पर थीं और घर पहुंचने तक बहुत देर हो चुकी थी. सनी के शब्दों में, 'काश मैं उस दिन थोड़ा जल्दी घर पहुंच जाती. जब मैं पहुंची, तब तक मां हमें छोड़ चुकी थीं.'

एक्ट्रेस ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि उन्हें समय रहते मां की तबीयत की गंभीरता के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी गई थी. सनी का मानना है कि यह सिर्फ उनके परिवार की कहानी नहीं है, बल्कि कई भारतीय परिवारों में ऐसा होता है, जहां माता-पिता अपनी बीमारी या परेशानी बच्चों से छिपा लेते हैं.

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता ये हर इंडियन पैरेंट्स के साथ होता है या नहीं, लेकिन वे कभी नहीं बताते कि चीजें कितनी गंभीर हैं. वे हमें चिंता से बचाना चाहते हैं.' सनी ने बताया कि उनके पिता बच्चों को प्रोटेक्ट करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने हालात की सच्चाई छिपाए रखी.

सनी लियोनी ने यह भी साझा किया कि मां के निधन का असर उनकी जिंदगी पर गहराई से पड़ा. भले ही आज वह अपने पति डैनियल वेबर और तीन बच्चों के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हों, लेकिन मां को खोने का खालीपन आज भी महसूस होता है.

गौरतलब है कि सनी लियोनी की मां का निधन साल 2008 में हुआ था. बाद में सनी ने अपनी पूरी जिंदगी की कहानी वेब सीरीज 'करनजीत कौर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी' के जरिए दर्शकों के सामने रखी, जिसमें उनके परिवार और मां से जुड़ी भावनाएं भी दिखाई गईं.

सनी का यह खुलासा एक बार फिर साबित करता है कि सितारों की चमक-दमक के पीछे भी एक संवेदनशील इंसान होता है, जो अपनों को खोने का दर्द आम लोगों की तरह ही महसूस करता है.

सुशांत के जाने के बाद टूट गई थी रिया

सपने से दूरी बनाने के लिए लेनी पड़ी थी थेरेपी

रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर और एक्टिंग में वापसी पर खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि जब उन्हें 'फैमिली बिजनेस' ऑफर हुई थी, तब वो शुरुआत में इसे करने के लिए तैयार नहीं थीं. रिया के मुताबिक, उन्होंने एक्टिंग को लगभग छोड़ ही दिया था.

रिया ने कहा, 'एक्टिंग का सपना छोड़ना, जिसके लिए मैंने 10 साल से ज्यादा मेहनत की थी, आसान नहीं था. इसके लिए मुझे कई थेरेपी सेशन्स लेने पड़े. मुझे इसके बारे में सोचना ही बंद करना पड़ा, क्योंकि उस वक्त मेरे लिए ये संभव नहीं था. मुझे काम नहीं मिल रहा था और कोई मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था.'

रिया ने बताया कि हंसल मेहता और शो के राइटर्स ने उनसे पूछा कि आखिर उन्हें क्या रोक रहा है. इस पर उन्होंने साफ कहा कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी है. लेकिन डायरेक्टर ने उन्हें समझाया कि यही वजह है कि उन्हें ये प्रोजेक्ट करना चाहिए. रिया के मुताबिक, 'उन्होंने कहा कि अच्छा करो या बुरा, अब फर्क नहीं पड़ता. बस वापस आओ.'

सुशांत सिंह राजपूत के निधन को याद करते हुए रिया भावुक हो गईं. उन्होंने कहा, 'मुझे रुकना पड़ा, क्योंकि बहुत ज्यादा दर्द और तकलीफ थी. शायद जो कुछ हुआ उसके तुरंत बाद मैं तैयार ही नहीं होती—ना इमोशनली, ना मेंटली और ना फिजिकली.'

रिया ने माना कि जिन सालों में कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता था, वो उनकी जिंदगी के सबसे दर्दनाक साल थे.

हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि भगवान ने हर इंसान को मुश्किलों से लड़ने की ताकत दी है, बस जरूरत होती है उसे पहचानने की. रिया के मुताबिक, अगर उनके दोस्त और परिवार साथ न होते, तो वो इस हालत से बाहर नहीं निकल पातीं.

एक्टिंग से दूर रहते हुए रिया ने नया बिजनेस शुरू किया, रियलिटी शो रोडीज का हिस्सा बनीं और अपना पॉडकास्ट भी लॉन्च किया, जिसे काफी प्यार मिला. अब 'फैमिली बिजनेस' के जरिए रिया एक बार फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं. इस सीरीज में उनके साथ अनिल कपूर और विजय वर्मा भी नजर आएंगे.

चीन से मुकाबले के लिए भारत में अधिक सिनेमा हॉल जरूरी : आमिर

भारत विश्व में फिल्मों का सबसे बड़ा निर्माता होने के बावजूद सिनेमा स्क्रीन की संख्या के मामले में चीन और अमेरिका से काफी पीछे है. अभिनेता आमिर खान ने देश में अधिक सिनेमा हॉल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है.

'वैरायटी इंडिया' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में आमिर खान ने कहा कि भारत एक विशाल देश है, जहां हर राज्य की अपनी भाषा, संस्कृति और फिल्म उद्योग है. ऐसे में देशभर में फिल्मों की पहुंच बढ़ाने के लिए अधिक सिनेमा हॉल और प्रदर्शन केंद्रों की आवश्यकता है.

उन्होंने कहा, 'अगर हमें चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा करनी है तो हमें अपने स्क्रीन की संख्या बढ़ानी होगी. चीन के पास लगभग एक लाख स्क्रीन हैं, जबकि भारत में केवल करीब 9,000 स्क्रीन हैं. हम उनके मुकाबले आउटलेट के मामले में दसवां हिस्सा भी नहीं हैं.'

आमिर ने बताया कि चीन में बड़ी फिल्में केवल घरेलू बाजार से ही अरबों डॉलर का कारोबार करती हैं. 'चीन में एक बड़ी फिल्म सिर्फ वहां के बाजार से ही दो अरब अमेरिकी डॉलर तक का व्यवसाय कर लेती है. जब तक हम अपनी स्क्रीन संख्या नहीं बढ़ाएंगे, तब तक कारोबार में जमीनी स्तर पर विस्तार नहीं होगा.'

उन्होंने हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि यह फिल्म 5,000 की बजाय 15,000 स्क्रीन पर रिलीज होती, तो इसका व्यवसाय और भी अधिक हो सकता था. उनके अनुसार, भारत के कई जिलों में आज भी एक भी सिनेमा स्क्रीन नहीं है, जिससे फिल्मों की पहुंच सीमित हो जाती है.आमिर खान का मानना है कि देश में सिनेमा हॉल की संख्या बढ़ने से फिल्म उद्योग के आधार का विस्तार होगा.

टेलीविजन हलचल

जी 5 पर देखिए बाप-बेटे की दिल को छू लेने वाली कहानी

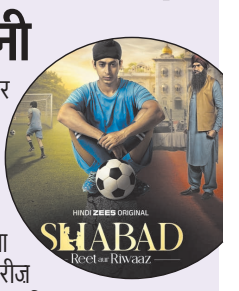

जी5 की ओरिजिनल सीरीज, 'शबद रीत और रिवाज' छह एपिसोड की दिल को छू लेने वाली बेहद शानदार कहानी है, जिसमें बाप-बेटे के रिश्ते के पीछे छिपे जज्बातों, पुरानी और नई पीढ़ी के अरमानों और अपनी दिल की आवाज सुनने के लिए जरूरी हिम्मत को बड़ी संजीदगी से दिखाया गया है. अमित गुप्ता के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में मिहिर आहूजा और सुविंदर विक्की ने मुख्य किरदार निभाए हैं, जो अब हिंदी जी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है. पंजाब के सतरंगी और सदियों पुराने परंपरा को संजोकर रखने वाले माहौल पर आधारित, शबद - रीत और रिवाज की कहानी घुप्पी सिंह (मिहिर आहूजा) के इर्द-गिर्द घूमती है. जो घुप्पी साल का लड़का है जो बचपन से ही हकलाकर बात करता है, और जिसके ख्वाब उसके खानदानी रीति-रिवाजों और पुरानी परंपराओं को चुनौती देते हुए चुपचाप अपनी एक अलग राह बनाते हैं. उसके पिता, हरमिंदर सिंह (सुविंदर विक्की) एक जाने-माने रागी गायक हैं. और कॉर्पोरेट दुनिया में काम करने के बावजूद, हरमिंदर की यही ख्वाहिश है कि उनका बेटा भक्ति संगीत की परंपरा को आगे बढ़ाए. मगर घुप्पी के लिए खुद को जाहिर करने और मन की खुशी पाने का असली जरिया भक्ति संगीत नहीं, बल्कि फुटबॉल का मैदान है, जहां उसे अपनी आजादी का एहसास होता है. शबद खानदानी परंपरा और अरमानों, तथा विरासत और खुद की अलग पहचान के बीच के टकराव को बड़ी बारीकी से दिखाता है. यह सीरीज एक जरूरी सवाल उठाती है- क्या विरासत ऐसी चीज है जो हमें अपनों से मिलती है, या ऐसी चीज है जिसे हम खुद अपने लिए चुनते हैं?

अप्रैल में रिलीज होगी अक्षय की फिल्म 'भूत बंगला'

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं. 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन फिर से एक साथ आए हैं. 'भूत बंगला' से पहले अक्षय और प्रियदर्शन 'हेराफेरी', 'गरम मसाला', 'भागम भाग', 'भूल भुलैया', 'दे दना दन' और 'खट्टा मीठा' में साथ काम कर चुके हैं. इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं. फिल्म में दिवंगत अभिनेता असरानी भी नजर आएंगे. पहले यह फिल्म 15 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी.

फिल्म की रिलीज बदल गई है.अब 'भूत बंगला' 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

अक्षय कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटा सा टीज़र शेयर किया है जिसमें एक काली बिल्ली दिखाई दे रही है. टेबल पर एक कैलेंडर रखा हुआ है,जो मई के पन्ने पर खुला है.बिल्ली 15 मई को खरोंचती है, कैलेंडर जमीन पर गिर जाता है और अप्रैल के पन्ने पर दूध फैल जाता है. बिल्ली 10 तारीख को चाटती है, जो फिल्म की नई रिलीज डेट का इशारा है.

इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'भूत बांग्ला का काउंटडाउन रिवाइंड. मिलते हैं थिएटर्स में.'

शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स, अक्षय कुमार की केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर, भूत बंगला को प्रोड्यूस कर रही हैं.

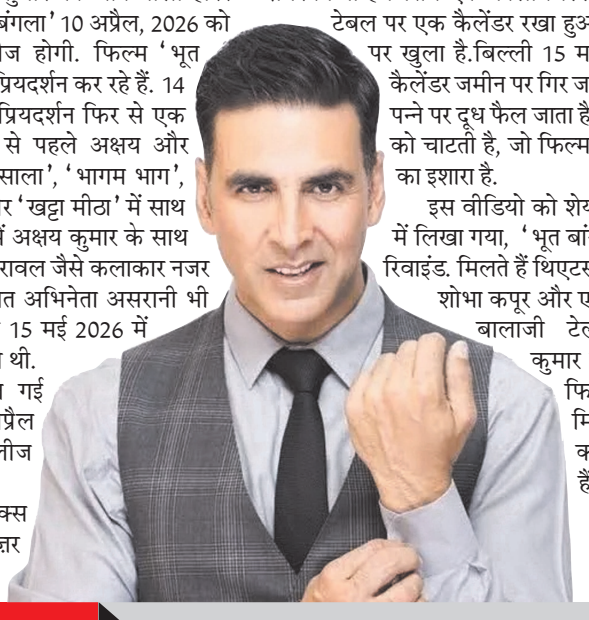

बॉर्डर 2 ने की 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के सुपर स्टार सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' ने भारतीय बाजार में 301 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है. फिल्म 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया है. फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं. इनके अलावा इस फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ,अहान शेट्टी,मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे भी हैं.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'बॉर्डर 2' ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 224.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भारतीय बाजार में 70.15 करोड़ का कारोबार किया. फिल्म ने 15वें दिन 2.85 करोड़ की कमाई की.सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'बॉर्डर 2 ने 16वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है . इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 301. 50 करोड़ रुपए हो गया है. अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है.

कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में रीता की भूमिका!

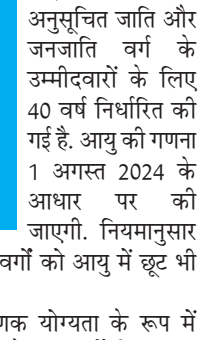

एण्डटीवी का चर्चित सुपरनैचुरल कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' अपनी मजेदार कहानी से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है. अब इस शो में अभिनेत्री सपना ठाकुर की एंट्री होने जा रही है, जो रीता पांडे के किरदार में नज़र आएंगी. उनका यह नया किरदार कहानी में भावनाओं, समझदारी और रिश्तों की गर्माहट जोड़ने वाला है. अपने सहज अभिनय और स्क्रीन पर दमदार मौजूदगी के लिए जानी जाने वाली सपना ठाकुर की एंट्री शो की कहानी को एक नया भावनात्मक संतुलन देगी, जहाँ एक ओर हास्य और रहस्यमय घटनाएँ हैं, वहीं दूसरी ओर रिश्तों की गहराई भी दिखाई देगी. शो से जुड़ने को लेकर सपना ठाकुर ऊर्फ रीता कहती हैं, 'घरवाली पेडवाली' का कॉन्सेप्ट मुझे पहली नज़र में ही पसंद आ गया था. इसमें हास्य और भावनाओं का बहुत सुंदर मेल है. रीता का किरदार बेहद सधा हुआ और समझदार है. उसकी सोच भले ही आधुनिक है, लेकिन रिश्तों और परिवार की अहमियत को वह दिल से मानती है. मेरे किरदार की एंट्री ही यह दिखा देती है कि वह कितनी भरोसेमंद और सुलझी हुई है.

यंग इंडिया

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

ग्रामीण डाक सेवक भर्ती 2026

भारत डाक विभाग की ओर से ग्रामीण डाक सेवक यानी जीडीएस भर्ती 2026 की घोषणा कर दी गई है. यह भर्ती देशभर के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का एक बड़ा अवसर लेकर आई है. इस बार कुल 28 हजार 636 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जो अब तक की बड़ी भर्तियों में से एक मानी जा रही है. आवेदन की प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 14 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

इस भर्ती के अंतर्गत न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी. नियमानुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु में छूट भी दी जाएगी. शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उम्मीदवार का दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, जिसमें गणित और अंग्रेज़ी विषय होना चाहिए. साथ ही संबंधित राज्य की स्थानीय भाषा का ज्ञान भी जरूरी है.

आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 100 रुपया रखा गया है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और सभी वर्ग की महिला उम्मीदवारों के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा. शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है.

भर्ती की खास बात यह है कि इसमें कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी. चयन पूरी तरह से मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा, जो दसवीं कक्षा में प्राप्त अंकों के अनुसार तैयार की जाएगी. इसके बाद दस्तावेज़ सत्यापन और अंतिम चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

राज्यवार पदों की बात करें तो उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों में सबसे अधिक पद रखे गए हैं. इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है.

विज्ञान स्नातकों के लिए पुलिस भर्ती

बिहार पुलिस अधीनस्थ सेवा आयोग यानी बीपीएसएससी ने वर्ष 2026 के लिए सहायक अवर निरीक्षक (ऑपरेशन) पदों पर भर्ती की घोषणा कर दी है. यह भर्ती राज्य के उन युवाओं के लिए खास मानी जा रही है, जिन्होंने विज्ञान विषय से स्नातक की पढ़ाई की है और पुलिस सेवा में शामिल होने का सपना देखते हैं. इस भर्ती के अंतर्गत कुल 462 पदों पर नियुक्ति की जाएगी.

आवेदन की प्रक्रिया 4 फरवरी 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 4 मार्च 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. आवेदन शुल्क सभी वर्गों के लिए 100 रुपया रखा गया है, जिसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल भुगतान माध्यम से जमा किया जा सकता है.

आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है. अधिकतम आयु सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुषों के लिए 37 वर्ष, सामान्य और ईडब्ल्यूएस महिला उम्मीदवारों के लिए 40 वर्ष, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के लिए 40 वर्ष, जबकि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 42 वर्ष तय की गई है. आयु की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर होगी.

शैक्षणिक योग्यता के रूप में उम्मीदवार का भौतिकी विषय के साथ विज्ञान स्नातक होना अनिवार्य है. सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक, जबकि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं.

इस भर्ती की एक अहम विशेषता शारीरिक दक्षता परीक्षा है. पुरुष उम्मीदवारों के लिए लंबाई, सीना, दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद और गोला फेंक की परीक्षा होगी, वहीं महिला उम्मीदवारों के लिए लंबाई, दौड़ और कूद से संबंधित मानक तय किए गए हैं. चयन प्रक्रिया में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षा, दस्तावेज़ जांच और अंत में चिकित्सकीय परीक्षण शामिल होगा.

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले आधिकारिक सूचना पत्र को ध्यान से पढ़ लें और अपनी योग्यता की पुष्टि कर लें. बिहार पुलिस की यह भर्ती उन युवाओं के लिए बड़ा अवसर है, जो अनुशासन, सेवा और सम्मान के साथ एक सुरक्षित भविष्य बनाना चाहते हैं. समय पर आवेदन और सही तैयारी ही इस परीक्षा में सफलता की कुंजी है.

फार्मेसी युवाओं के लिए सरकारी सेवा का मौका

झारखंड लोक सेवा आयोग यानी जेपीएससी ने वर्ष 2026 के लिए ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती की अधिसूचना जारी कर दी है. यह भर्ती राज्य के उन युवाओं के लिए खास मानी जा रही है, जो दवा क्षेत्र में पढ़ाई पूरी कर सरकारी सेवा में करियर बनाना चाहते हैं. इस भर्ती के अंतर्गत कुल 30 पदों पर ड्रग इंस्पेक्टर की नियुक्ति की जाएगी.

आवेदन प्रक्रिया 29 जनवरी 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 18 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. आवेदन शुल्क सामान्य, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 600 रुपया, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 150 रुपया निर्धारित किया गया है. शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है.

आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है. अधिकतम आयु सामान्य वर्ग के पुरुषों के लिए 35 वर्ष, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के पुरुषों के लिए 37 वर्ष, सामान्य व पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 38 वर्ष, जबकि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 40 वर्ष निर्धारित की गई है. आयु की गणना 1 अगस्त 2024 के आधार पर की जाएगी. नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट भी मिलेगी.

शैक्षणिक योग्यता के रूप में उम्मीदवार के पास फार्मेसी स्नातक, फार्मास्यूटिकल साइंस या चिकित्सा स्नातक के साथ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी या माइक्रोबायोलॉजी की डिग्री होना अनिवार्य है.

यंत्र इंडिया अप्रेंटिस भर्ती का नोटिस जारी

यंत्र इंडिया लिमिटेड यानी वाईआईएल ने वर्ष 2026 के लिए अप्रेंटिस भर्ती की अधिसूचना जारी कर दी है. यह भर्ती देशभर के उन युवाओं के लिए खास अवसर लेकर आई है, जो तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य को मजबूत बनाना चाहते हैं. इस भर्ती के अंतर्गत कुल 3979 पदों पर अप्रेंटिस की नियुक्ति की जाएगी.

आवेदन प्रक्रिया 1 फरवरी 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी 3 मार्च 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. वाईआईएल द्वारा जारी सूचना के अनुसार न्यूनतम आयु 14 वर्ष और अधिकतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी. नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट भी दी जाएगी.

भर्ती में दो प्रकार के पद शामिल हैं. पहले आईटीआई ट्रेड, जिनके लिए कुल 2843 पद निर्धारित किए गए हैं. इन पदों के लिए उम्मीदवार का संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. दूसरे नॉन आईटीआई ट्रेड के अंतर्गत 1136 पद रखे गए हैं, जिनके लिए उम्मीदवार का दसवीं कक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है.

सशस्त्र सेनाओं का सशक्तिकरण
Empowering The Armed Forces

आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 200 रुपया प्लस जीएसटी, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और महिला उम्मीदवारों के लिए 100 रुपया प्लस जीएसटी रखा गया है. शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है.

चयन प्रक्रिया की बात करें तो इसमें शॉर्टलिस्टिंग, दस्तावेज़ सत्यापन और चिकित्सकीय जांच शामिल होगी. किसी प्रकार की लिखित परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाएगा, जिससे यह भर्ती युवाओं के बीच और भी आकर्षक बन गई है.

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक सूचना पत्र को ध्यान से पढ़ें और पात्रता की जांच अवश्य कर लें. यंत्र इंडिया लिमिटेड की यह अप्रेंटिस भर्ती न केवल प्रशिक्षण का अवसर देती है, बल्कि भविष्य में रोजगार के बेहतर रास्ते भी खोलती है.